

NCC RAISING DAY CELEBRATION

On 24/11/2024, NCC Raising Day, the cadets of Zinc Vidyalaya undertook a community-oriented activity by conducting a survey in the Zinc Colony under the guidance of the Principal, Mr. Ashish Vijayvergia, and the Associate NCC Officer, Mr. Raj Kumar Prajapat. This initiative aimed to engage the local community, foster awareness about NCC activities, and build a stronger rapport between the cadets and the residents. A total of 305 houses were surveyed by the cadets and 31 cadets were involved in this task. The NCC survey conducted on Raising Day not only strengthened the bond between the cadets and the community but also highlighted the importance of civic engagement. This event stands as a testament to the cadets' commitment to service and the ideals of the NCC.



THE POWER OF GRATITUDE IN SCHOOL LIFE

Himani Joshi
Class- 7th

Gratitude plays a significant role in shaping a positive and fulfilling school experience. When students express gratitude, whether for their teachers, classmates, or the learning opportunities they have, it fosters a supportive and encouraging environment. This simple yet powerful practice enhances mental well-being, promotes resilience, and improves relationships.

In school life, showing gratitude can be transformative. Students who are grateful for their education tend to have a more optimistic outlook, which can lead to higher levels of motivation and better academic performance. Gratitude also encourages empathy, helping students to connect with others and build strong, positive relationships with peers and teachers alike.

Moreover, when teachers express gratitude towards students, it boosts their confidence and creates a classroom atmosphere based on mutual respect and appreciation. It encourages collaboration, reduces stress, and makes learning a more enjoyable experience.

The power of gratitude promotes emotional growth, strengthens bonds and fosters an overall atmosphere conducive to learning and personal development. By practicing gratitude, students and teachers together can create a more harmonious and successful school environment.

विज्ञान की नई दिशा

नाम - नंदिनी कुमावत
कक्षा - 11वीं (विज्ञान)

आज के समय में विज्ञान बहुत तरक्की कर चुका है या बहुत आगे बढ़ चुका है। आज विज्ञान की वजह से हम लोग अंतरिक्ष को जान सकते हैं। वर्तमान में विज्ञान बहुत आगे पहुंच चुका है। विज्ञान ने ही इंसानों का चांद पर पहुंचना संभव किया है। विज्ञान ने हमारे प्रतिदिन के कामों को आसान कर दिया है। विज्ञान की सहायता से ही बहुत सी बीमारियों का इलाज संभव हो पाया है। विज्ञान एक देश के विकास के लिए बहुत जरूरी है। हमारे भारत का विकास आने वाले समय में और अभी भी मूल रूप से विज्ञान पर ही निर्भर है। सिर्फ भारत ही नहीं पूरा देश आज विज्ञान की वजह से विकसित हो रहा है। हम रोज के कामों को करने के लिए जिन यंत्रों का प्रयोग करते हैं, उनमें से बहुत से विज्ञान की वजह से ही चल रहे हैं।

SELF RESPECT

Siddhi Sharma
Class-8th

What is self-respect?
Is it the power of a person?
What is self-respect?
Is it the beauty of a person?
What is self-respect?
Is it the thing which we should have every day, every minute & every second?
What is self-respect?
Is it the ego of a person?
Literally self-respect is a way of living life happily.
If you have self-respect then congratulations!
you have achieved the most wanted award given by your life and now you have got the golden card of your life, by which you can achieve success of your life.
You are the owner of your life so give respect to yourself and get respect from others.

DAUGHTERS

Shivi Pandey
Class-7th

Daughter is the face of sacrifice.
Daughter is the embodiment of love.
Daughter is the life of values.
Daughter is the pride of every home.
Daughter is the world of happiness.
Daughter is the foundation of love.
Daughter is like air, like gee.
Daughter is the medicine for all diseases.
Daughter is the pride of parents.
Daughter is the Tulsi of the courtyard.
Daughter is the picture of worship.
Daughter is the hope of life.

आलस्य से मुक्ति

धीरज वैष्णव

कक्षा -7th

एक बार की बात है कि एक गाँव में रामू नाम का एक बालक रहता था। वह आलसी था और अपना सारा काम अपनी माता से करवाया करता था। हर बार वह अपनी माता से कहता था, "माँ, पानी लाओ" और "माँ, किताब लाओ।" रामू की माता जी को भी ये सारे काम करने पड़ते थे। एक दिन रामू घर के बाहर बैठा था, उसने देखा कि एक आदमी बिना हाथों के सामान बेच रहा था। रामू उसके पास गया और उससे कहा, "आपके हाथ ही नहीं हैं, फिर भी आप सारे काम क्यों कर रहे हैं? आपको तो घर पर आराम करना चाहिए।" उस आदमी ने कहा, "मैं काम नहीं करूँगा तो घर कैसे चलेगा?"

रामू ने सोचा कि मेरे तो हाथ भी हैं, फिर भी मैं आलसी हूँ। उसने अपनी माता के पास जाकर कहा, "मझे माफ करना, माँ। अब मैं अपने सारे काम खुद ही करूँगा, न कि किसी और से करवाऊँगा।" उस दिन के बाद से रामू ने अपनी जिंदगी में एक बड़ा बदलाव किया। वह अपने सारे काम खुद ही करने लगा और अपनी माता का बोझ हल्का करने की कोशिश करने लगा।

नैतिक शिक्षा: आलस्य एक बुरी आदत है जो हमें जीवन में कभी भी सफलता नहीं दिला सकती। हमें अपने काम खुद ही करने चाहिए और आलस्य से बचना चाहिए। साथ ही, हमें अपने परिवार के सदस्यों की मदद करनी चाहिए और उनका बोझ हल्का करने की कोशिश करनी चाहिए।

समर्थ की नई शुरुआत

श्रुति मिश्रा

कक्षा-7th

एक बालक था, जिसका नाम समर्थ था। सभी उसे आलसी कहते थे। वह कोई भी काम स्वयं नहीं करता था, बल्कि अपनी बहन और माँ से ही करवाता था। सभी उसके आलसीपन से परेशान हो चुके थे, और सभी उसे कहते थे कि अपना काम स्वयं करो, पर वह किसी को नहीं सुनता था। एक दिन सभी बच्चे विचार करने लगे कि हमें समर्थ का आलसीपन छुड़वाना होगा। उसका आलसीपन छुड़वाने के लिए वे सोचते हैं कि अगर हम सब एक दिन के लिए घर से बाहर चले जाएं तो समर्थ को अपने काम स्वयं को करने पड़ेंगे। वे ऐसा ही करते हैं।

समर्थ जब सभी के घर पर फोन लगाकर पूछता है तो उसे यह पता चलता है कि वे सभी अपने परिवार के साथ बाहर घूमने गए हैं। जब उसे अपना काम करवाने के लिए कोई नहीं मिला तो वह थक हारकर घर पर बैठ जाता है। जैसा उसके मित्रों ने सोचा था, वैसा ही हुआ। समर्थ को सारे काम स्वयं ही करने पड़े।

अगले दिन जब वे सब वापस लौटते हैं तो वे हैरान रह जाते हैं कि समर्थ ने अपने सारे काम स्वयं ही कर लिए और उस दिन उसने न तो किसी और से कुछ काम करवाया और न ही किसी से सहायता ली। उसने अपना काम स्वयं ही कर लिया था। उस दिन के बाद से, समर्थ की जिंदगी में एक बड़ा बदलाव आया। वह परिश्रम की कीमत समझ जाता है और अपने सारे काम स्वयं ही करने लगता है। वह अपने घर के कामों में भी मदद करने लगता है और अपनी बहन और माँ का बोझ हल्का करने की कोशिश करता है। समर्थ के इस बदलाव से उसके परिवार और दोस्तों को बहुत खुशी होती है।

नैतिक शिक्षा: आलस्य एक बुरी आदत है जो हमें जीवन में कभी भी सफलता नहीं दिला सकती। हमें अपने काम स्वयं करने चाहिए और आलस्य से बचना चाहिए।

बस चलते रहना

तनिष्का जैन
कक्षा-12वी (वाणिज्य)

तुम्हारे सारे सपने तुमको मिलेंगे,
एक दिन यहाँ भी फूल खिलेंगे,
तुम्हारे सारे मन के भ्रम दूर होंगे,
कठिनाइयों में भी रास्ते मिलेंगे,
बस तुम चलते रहना।

नील गगन की ऊंचाइयाँ भी कम हो जाएंगी,
समुंदर की गहराइयाँ भी कम हो जाएंगी,
मन का आत्मविश्वास इतना बढ़ जाएगा,
रास्ते की परेशानियाँ भी कम हो जाएंगी,
बस तुम चलते रहना।

कठिनाइयों को पछाड़ते हुए तुम बहुत आगे निकलोगे,
खुलेगा किस्मत का ताला, सोई हुई किस्मत भी जागेगी,
बदलती दुनिया में, तुम सबसे आगे निकलोगे,
खुद पर भरोसा करके, यदि तुम लक्ष्य की ओर बढ़ोगे,
बस तुम चलते रहना।

डरावनी काली रात जाएगी,
जिंदगी में नई सुबह आएगी,
खुशी हर पल तुम्हारे साथ खिलखिलाएगी,
जिंदगी हर पल सफलता की ओर दिखलाएगी,
बस तुम चलते रहना।



बालिका की उड़ान

राजनंदिनी राठौर
कक्षा - 9th

एक लड़की थी जिसका नाम सीता था । वह बहुत होनहार लड़की थी। उसके गांव में वर्ण व्यवस्था को लेकर बहुत भेदभाव होता था । उसके घर में माँ , पिता , दादा , दादी थे । मां किसी के घर में काम करने जाती और पिता खेती करने जाते थे। माता -पिता के पास पैसे ना होने के कारण सीता पढ़ नहीं सकती थी । परंतु वह पढ़ना चाहती थी।सीता ने उसकी मां से बोला कि मुझे पढ़ना है । यह बात उसके दादा ने सुन ली । दादा ने बोला कि लड़कियाँ पढ़ती नहीं हैं ।पर सीता उसकी मां से हमेशा बोलती कि मुझे पढ़ना है । उसकी मां ने मन में सोच लिया था कि मैं सीता को पढ़ाकर रहूंगी । एक दिन सीता की मां ने घरवालों को अच्छे से समझाया । फिर कुछ दिनों बाद घर वाले भी मान गए । सीता का विद्यालय में दाखिला करवाया गया । लेकिन सीता के निम्न वर्ण की होने के कारण उसे कक्षा में कोने में अलग बिठाया जाता था । कोई उससे बात नहीं करता ना ही उसके पास जाता । पर सीता को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता था । उसे तो बस पढ़ना था । उसने पढ़ाई को अपना लक्ष्य बना लिया था ।बड़े होकर सीता आईपीएस अधिकारी बनी । जो गांववाले उसे और उसके परिवार से दूर रहते, अच्छा व्यवहार नहीं करते, आज वह लोग उन्हें सम्मान देने लगे थे ।



STARS

Ananya Soni
Class-8th

Stars are huge spinning balls of hot luminous gases. All stars give out their own light. Most stars are made up almost entirely of two gases hydrogen and Helium. In the centre of stars, hydrogen atoms combine to form helium atoms. This reaction is different from the chemical reactions you have read about and is called a nuclear reaction. During a nuclear reaction amount of energy is released in form of heat and light. The sun is also a star. It is a medium sized star. Some stars are smaller while others are bigger than sun. The sun is star closest to us that is why it appears to be so big. Other stars appear like points of light as they are millions of times farther away from us than the Sun.

Stars appear to twinkle because the faint light coming from them is refracted by layers of air in atmosphere.

Sumit Kumar
Class-8th

A group of frogs was hopping through a forest when two of them accidentally fell into a deep pit. The other frogs gathered around the edge of the pit and, seeing how deep it was, called out, "You'll never make it out. It's hopeless. Just give up."

Hearing these words, one of the frogs lost hope. Overwhelmed with despair, it stopped trying and succumbed to its fate.

However, the other frog refused to give up. It kept jumping with all its strength, even as the others continued shouting their discouraging words. With one final, mighty leap, it managed to escape the pit.

When it rejoined the group, the other frogs asked in astonishment, "How did you ignore what we were saying and kept trying?"

The frog smiled and explained, "Oh, I'm hard of hearing! I thought you were cheering me on."

Moral: True perseverance thrives when one block out negativity & stays resolute in pursuit of success.

DISCIPLINE

Nayonika Mishra
Class-7th

Discipline brings a lot of respect for an individual from others. Discipline is mostly required in schools and public places. Discipline can help people create a focused and happy life. Discipline can make life successful and worth living. Discipline can help people gain respect and love from others. Discipline can help people control and handle situations in a sophisticated way.

It also explains how multitasking can bring down productivity and quality.



NEVER GIVE UP

“YOGA “

This year the school initiated yoga classes for the physical fitness, mental well-being and holistic development among the students. Our school has initiated regular yoga classes on every Monday. This initiative aims to instill discipline, reduce stress, and enhance concentration among students.

These classes will be a significant step toward holistic education. With regular practice , students are expected to develop not only physical fitness but also mental clarity. It will help them excel in academics and life.



“JASHN” THE ANNUAL DAY CELEBRATION

Annual function JASHN was organized by the school with the theme NAVRAS. All the students of the school including tiny tots participated in it. Formally the program was inaugurated by the chairman ZVMC, Mr. Kishore Kumar S, CEO, IBU Agucha. The students gave mesmerizing presentations on the different themes of NAVRAS. The program included skit, dance, mime, Hindi and English dramas etc.









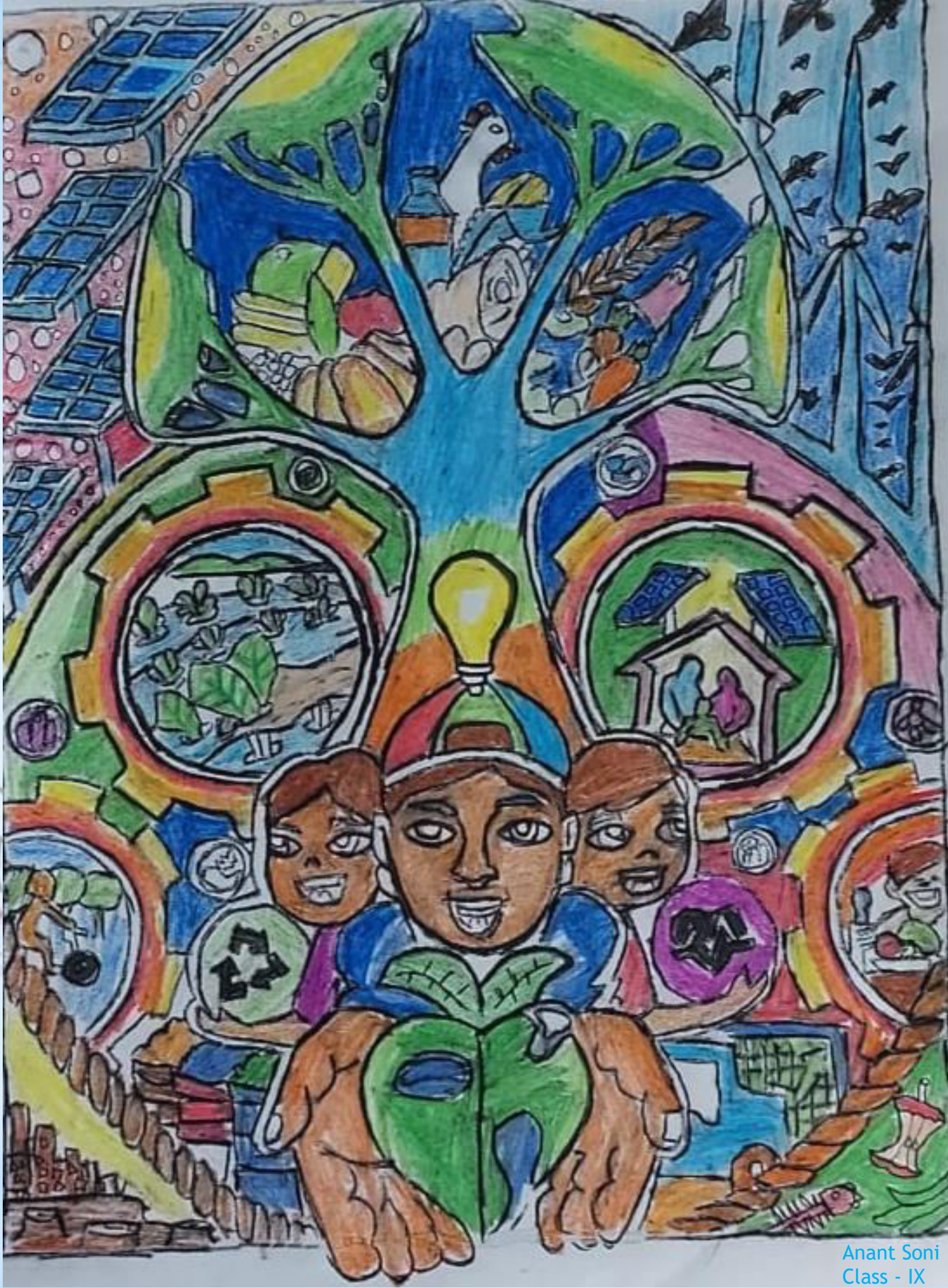
musicia

The Annual Musical Concert

The much awaited Musicia event was conducted on 24th Dec. 2024. It left the audience spellbound with a mesmerizing musical experience. The event was filled with energetic performances by the talented students through singing, instrumental music and group performances. Students from classes 3rd to 9th and 11th participated in this concert. The stage was alive with enthusiasm as participant delivered captivating melodies ranging from classical to contemporary music. The audience comprising students, teachers and parents made the atmosphere vibrant.

Mr. Kishore Kumar S, CEO, IBU Agucha, was the chief guest. The whole management committee was also there. Vote of thanks was given by the secretary, ZVMC Mr. Puneet Choudhary.





Anant Soni
Class - IX

TH
EDI
ORIAL
LEAM

E-Magazine
Zinc Vidyalaya, Zinc Colony, Hurda

Teachers:-

Mr Rajkumar Prajapat
Ms Vandana Vyas
Ms Manisha Arya
Ms Rajeshwari

Students:-

Miss Tapasya Choudhary - Class XI Sci
Master Tanmay Garg- Class IX
Miss Nidhi Mewara - Class XI Commerce
Miss Angel Rai - Class XI Commerce

